Mentorship Program
Nehru Vihar

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–8)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/24 (D-A)–M–**GSM (M-I)-2408**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: TESHUKANT **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): HINDI **Reg. Number:**

Center & Date: 24/07/2024 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 4907831

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH.***

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. प्रथम विश्व युद्ध की समवर्ती घटनाएँ इज़रायल-फिलिस्तीन संघर्ष का मूल कारण कैसे है व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain how the Israel-Palestine conflict traces its origins back to events surrounding the First World War. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रथम WW जनित नाज़ी नरसंहार ने जर्मनी में यहूदियों का विरोध किया।

→ यहूदियों को युद्ध हार का कारण बताया गया

→ WW के बाद नस्लीय नरसंहार किये गये
↓
हिटलर के नाजी शासन में
↓
• यहूदियों का विस्थापन
↓
ब्रिटिश उपनिवेश में नया निवास
↓
फिलिस्तीन में बिना पूर्व इच्छा जाने बसाया गया अतः शरणार्थ आहत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must no write on this margi

यह आजभी संघर्ष का कारण है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. भक्ति आंदोलन ने तत्कालीन भारतीय समाज में व्याप्त जातिगत और लैंगिक मानदंडों को किस सीमा तक चुनौती दी? परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

To what extent did the Bhakti movement challenge existing caste and gender norms in Indian society? Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भक्ति आंदोलन मध्यकालीन भारत की एक प्रमुख विशेषता है, जिसने भारतीय सामाजिक व्यवस्था में व्याप्त रूढ़ियों को चुनौती प्रदान किया।

भक्ति आंदोलन का जातिप्रथा पर प्रभाव

1. धार्मिक कर्मकांड और मध्यस्थों की भूमिका को नकारा गया → भक्ति को एक सरल माध्यम के रूप में स्थापित

   Eg. पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय

2. भक्ति तक सार्वभौमिक पहुँच → मंदिरों में प्रवेश
   → मंदिर के स्थान पर मठों का प्रयोग

   Eg. लिंगायत समुदाय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. गुरु-शिष्य परंपरा में जातिवाद नहीं
[eg] रामानंद के शिष्य

4. महाराष्ट्र भक्ति आंदोलन तथाकथित निचली जातियों से प्रेरित [eg] वारकरी संप्रदाय

भक्ति आंदोलन का लैंगिक भेद पर प्रभाव

1. नैनार-अलवार महिला संतों की स्वीकृति
[eg] अंडाल

2. भक्ति को श्रृंगार रस से जोड़ा गया
प्रेमी-प्रेमिका संबंध [eg] मीरा के भजन

3. सार्वभौमिक मोक्षप्राप्ति के अधिकार → महिलाओं को भी।

4. महिला शिक्षा → गुरु-शिष्य परंपरा से

इस प्रकार सामाजिक बंधनों को खंडित कर धर्म के स्वरूप को समावेशी बनाया गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. अफ्रीका का विभाजन क्या है? अफ्रीका में उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया कैसे शुरू हुई?(150 शब्द) 10

What is Scramble of Africa? How did the process of decolonization unfold in Africa? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अफ्रीकी महाद्वीप के मानचित्र को यूरोपीय औपनिवेशिक शक्तियों द्वारा समझौते के तहत शांतिपूर्ण तरीके से सीमांकन ही अफ्रीका का विभाजन है।

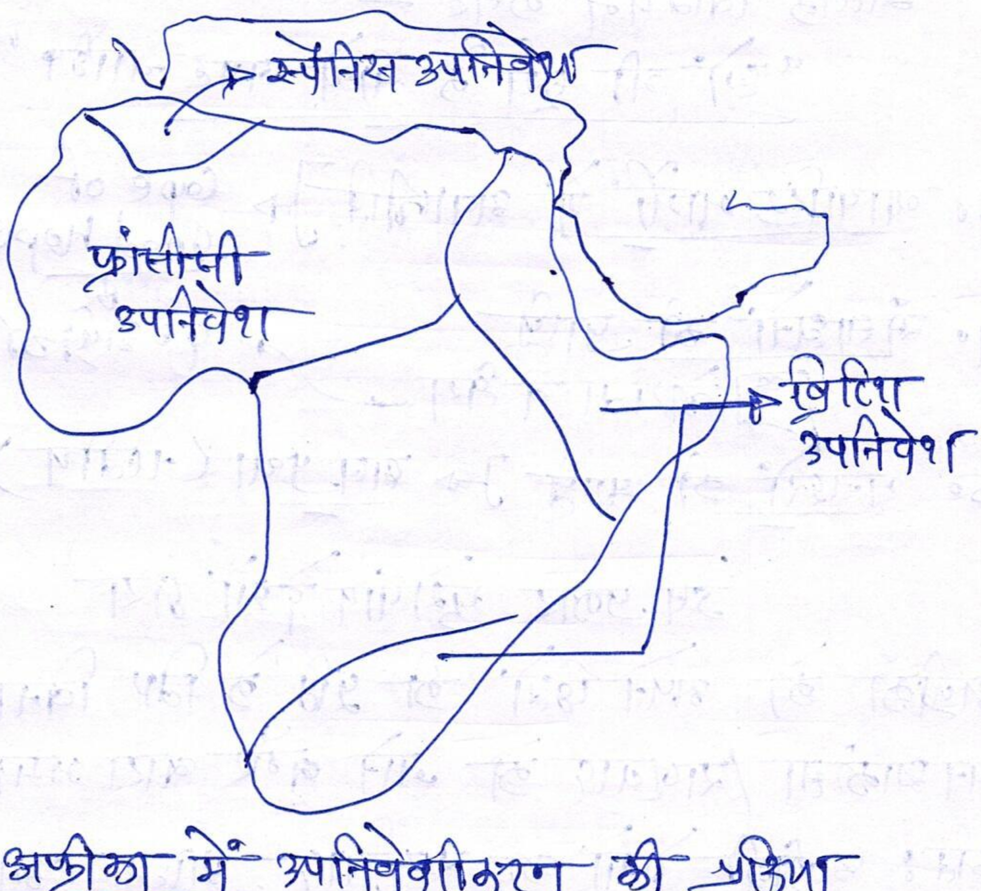

अफ्रीका में उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. औद्योगिक क्रांति जनित आवश्यकताओं की पूर्ति के स्रोत के रूप में
   → कच्चे माल की प्राप्ति + वृहद् बाज़ार

2. प्रथम औद्योगिकृत देश की प्रतिस्पर्धा में द्वितीय औद्योगिकृत देश → प्रशा के शासक विलियम कैसर —
   "हमें भी सूर्य के नीचे जगह चाहिए"

3. व्यापारिक मार्गों में रणनीति → Cape of Good Hope
   ↓
4. संसाधनों की प्राप्ति → द. अफ्रीका
   ↳ कोयला व हीरा

5. मजदूरों की प्राप्ति → दास प्रथा (नस्लीय)

इस प्रकार यूरोपीय देशों द्वारा अफ्रीका को अपने हितों की पूर्ति के लिए बिना जन आकांक्षा/राष्ट्रवाद को जाने बगैर बांटा गया, अतः अफ्रीकी देशों का राष्ट्रवाद आहत हुआ और औपनिवेशिक नीति के प्रति विरोध उग्र हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. सेंगोल स्थापना के सांस्कृतिक महत्त्व पर विशेष ज़ोर देते हुए, परीक्षण कीजिये कि किस प्रकार नया संसद भवन भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है। (150 शब्द) 10

Examine how the new parliament building embodies various aspects of Indian culture, with a keen focus on the cultural significance associated with the installation of the Sengol. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सेंगोल एक चोलकालीन प्रतीक है, जिसका प्रयोग सत्ता हस्तांतरण के दौरान धार्मिक प्रक्रिया के तहत राजाओं को सौंपा जाता था।

हालांकि, अब सेंगोल का महत्त्व धार्मिक-राजवंशीय न होकर लोकतांत्रिक-शांतिपूर्ण सत्तापरिवर्तन के रूप में है।

(क) सर्वप्रथम माउंटबेटन द्वारा श्री नेहरू को

यह भारतीय पारंपरिक विरासत को प्रकट करता है तथा दक्षिण भारत की संस्कृति को प्रकट कर भारत की अखण्डता को प्रदर्शित करता है।

नया संसद भवन: विभिन्न सांस्कृतिक पहलू

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत नये संसद भवन की स्थापना

2. त्रिकोणीय आकृति → बेसर स्थापत्य का प्रमुख लक्षण

3. लोकसभा सदन (हरे रंग) → मयूर पंख का विस्तृत प्रयोग
- धार्मिक महत्त्व
- जैवविविधता का प्रतिनिधित्व

4. राज्यसभा सदन (लाल रंग) → कमलपुष्प का प्रयोग (राष्ट्रीयपुष्प)
- शांति का प्रतीक
- ज्ञान का प्रतीक
- अवलोकितेश्वर का प्रतीक

5. अशोक के स्तंभ - सारनाथ → चतुर्मुखी सिंह का प्रयोग
- "शक्ति और संयम" प्रतीक

6. अशोकचक्र का प्रयोग

इस प्रकार संसद भवन न सिर्फ हमारे जनप्रतिनिधियों का स्थान है, बल्कि हमारे सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व का भी प्रतीक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. 1929 की महामंदी के बहुमुखी प्रभाव का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

Elaborate on the multifaceted impact of the Great Depression of 1929. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रथम विश्वयुद्ध जनित आर्थिक ढांचे में रुग्णता और औद्योगिक उत्पादन प्रणाली में शिथिलता का परिणाम 1929 की महामंदी के रूप में सामने आया।

- प्रभावित क्षेत्र → यूरोप (पश्चिमी)
  → USA
- अप्रभावित क्षेत्र → सोवियत रूस
  → तृतीय विश्व

महामंदी के बहुमुखी प्रभाव

1. यूरोप और USA में वित्तीय ढांचे की कमजोरी सामने आयी
   ↓
   वास्तव में WWI के बाद यूरोपीय अर्थव्यवस्था USA की ऋणों के कारण, USA की अर्थव्यवस्था से संबंधित हो गया अतः USA के शेयरमार्केट में गिरावट का प्रभाव यूरोप में भी पड़ा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2. द्वितीय विश्वयुद्ध की भूमि

A. बढ़ती महंगाई के कारण जनता में असंतुष्टि

B. असंतुष्टि का लाभ उठाकर नाजी पार्टियों द्वारा सत्ता प्राप्ति

मुसोलिनी - इटली | हिटलर - जर्मनी

फ्रेंको - स्पेन

C. अतिरिक्त संसाधनों की प्राप्ति की होड़

[ख] हिटलर का "आर्य श्रेष्ठतावाद" (लेबेन्सरॉम)

3. आर्थिक नीतियों में परिवर्तन

A. सोवियत रूस अप्रभावित था → साम्यवादी अर्थव्यवस्था

B. अतः रूजवेल्ट द्वारा भी आर्थिक हस्तक्षेप की नीति "New Deal" लाया गया

मिश्रित अर्थव्यवस्था का प्रारंभ।

इस प्रकार, महामंदी का प्रभाव व्यापक था, साथ ही इसके कारण उपनिवेशों का शोषण और बढ़ा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. भारतीय विरासत और संस्कृति में गुप्त काल के योगदान पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

Highlight the contribution of Gupta Period to Indian heritage and culture. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय इतिहास में गुप्तकाल को इसके सांस्कृतिक योगदान के कारण ~~स्वर्ण~~ "स्वर्णकाल" की श्रेणी में रखा जाता है।

भारतीय विरासत और संस्कृति में गुप्तकाल का योगदान

1. स्थापत्य - A मंदिर निर्माण – परिपक्व शिखर के निर्माण का प्रारंभ हुआ (eg) कानपुर मंदिर
– ईंटों के प्रयोग से मंदिर निर्माण
→ (eg) लक्ष्मण मंदिर (सिरपुर)

B. स्तूप निर्माण + चैत्य-विहार निर्माण
(eg) सांची स्तूप (eg) एलोरा गुफा (MH), धार (MP)

2. चित्रकला में योगदान (eg) अजंता – अवलोकितेश्वर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. साहित्य विरासत में

A. कालीदास द्वारा → अभिज्ञानशाकुंतलम्, मेघदूतम, रघुवंशम
↓
"संस्कृत का स्वर्णकाल"

B. स्मृति साहित्यों की रचना [Eg] मनुस्मृति
→ सामाजिक संहिता

C. आर्थिक साहित्य – "अमरकोष" – अमरसिंह

D. विष्णुशर्मा का पंचतंत्र

4. वैज्ञानिक विकास – विरासत

A. धातुकर्म ज्ञान → मेहरौली लौह स्तंभ

B. खगोल शास्त्र व गणित
– आर्यभट्ट → "आर्यभट्टियम"
– वराहमिहिर – "खण्डनखाद्य"

C. चरक जैसे चिकित्सक

साथ ही मुद्राकला, मूर्तिकला (मथुरा शैली) आदि भी इस युग की विरासत है, जो भारतीय संस्कृति को समृद्ध करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रवादी भावना को प्रोत्साहित करने में राजा रवि वर्मा की चित्रकला के प्रभाव का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Examine the impact of Raja Ravi Varma's paintings on fostering nationalist sentiment during colonial India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

त्रावणकोर के राजा रविवर्मा, बहुमुखी प्रतिभा से सम्पन्न व्यक्तित्व थे, जिनका योगदान भारतीय चित्रकला के विकास में अद्भुत था।

प्रमुख चित्रकारी → "शकुंतला" → "चीरहरण" → "हंस और नारी" → "सीता हरण"

राष्ट्रवादी भावना को प्रोत्साहित करने में योगदान

1. भारतीय संस्कृति के पुनरुद्धार के माध्यम से
↓
भारतीयों में सांस्कृतिक हीनता को समाप्त करने

2. कला के माध्यम से आत्मविश्वास → सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

३. चित्रकारी से संचार

- वास्तव में रविवर्मा द्वारा अपने चित्रकारी का ~~कु~~ बहुप्रतिलिपि जारी कर संपूर्ण देश में विस्तृत कराया गया, इनमें प्रमुखतः देवी-देवताओं की चित्रकारी थी, अतः इससे प्रत्येक घर तक देवी-देवताओं की पहुँच स्थापित हुई।

- इस पहुँच से एकता की भावना जागृत

४. रचनात्मक गतिविधि [७] गांधीजी के चरखे-चलाने के समान

हालांकि, अवनिंद्रनाथ टैगोर द्वारा राजा रविवर्मा की आलोचना इस आधार पर की गयी कि यह चित्रकारी यूरोपीय चित्रकलाशैली पर आधारित थी।

अतः अवनिंद्रनाथ टैगोर द्वारा राजपूत-मुगल जैसे स्वदेशी चित्रकारी को प्रोत्साहित कर 'भारत माता' का चित्रांकन का राष्ट्रवाद में ~~योगदान~~ योगदान दिया गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. चीन में बॉक्सर विद्रोह में योगदान देने वाले कारकों और प्रभाव का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Analyze the factors and impact contributing to the Boxer Rebellion in China.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चीन की संस्कृति और अर्थव्यवस्था पर ब्रिटिश व्यापारियों के हस्तक्षेप के कारण बॉक्सर विद्रोह सामने आया।

बॉक्सर विद्रोह में योगदान देने वाले कारक

1. चीनी राजवंश का अपमान

→ ब्रिटिश व्यापारियों द्वारा अवैध तरीके से व्यापारिक गतिविधि।

→ चीन के नियमों की अवहेलना।

2. अफीम के व्यापार

→ सर्वोराम 2001 स्थापित करके अंग्रेजों ने अफीम का व्यापार किया गया, किंतु यह चीन में प्रतिबंधित था।

3. चीनी संस्कृति को नीचा दिखाना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ अंग्रेज श्वेत नस्लीय प्रभुत्व की अवधारणा से ग्रसित है अतः चीनी संस्कृति का अपमान

↓

इस प्रकार इससे चीनी राष्ट्रवाद आहत हुआ और बॉक्सर विद्रोह के रूप में सामने आया।

बॉक्सर विद्रोह के प्रभाव

1. चीनी राजवंश की पराजय हुई और अंग्रेजों की जीत हुई।
2. चीन में अंग्रेजी-औपनिवेशिक नीतियों का प्रसार होना
3. त्रिगुटीय संतुलन
   → अंग्रेज BOP आधिक्य

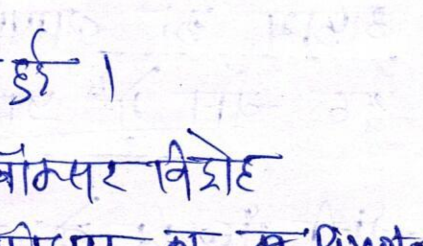

4. चीनी राष्ट्रवाद जागृत हुई।

इस प्रकार बॉक्सर विद्रोह चीन के औपनिवेशिक इतिहास का "Pivotal Point" है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. चोल वास्तुशिल्प मंदिर स्थापत्य कला की प्रगति में एक शिखर का प्रतीक है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The Chola architecture signifies a pinnacle in the progression of temple architecture. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

द्रविड़ मंदिर स्थापत्य के स्वर्णकाल के रूप में चोलकालीन इतिहास का वर्णन किया जाता है।

द्रविड़ मंदिर स्थापत्य

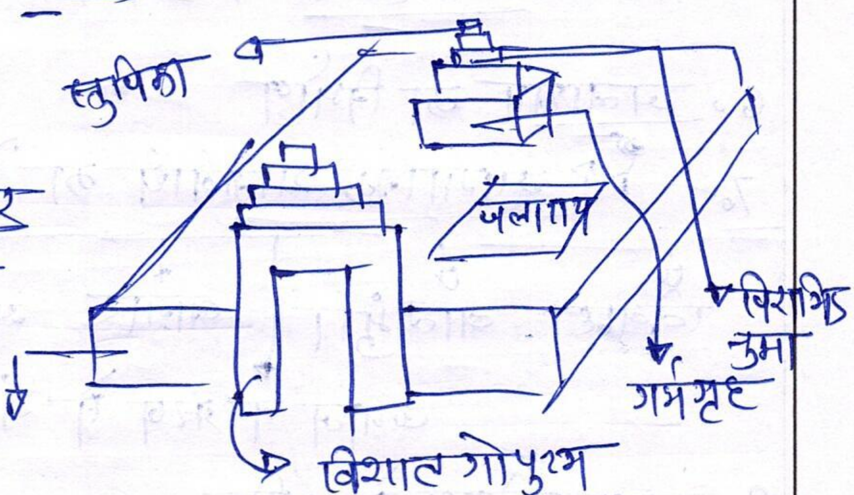

चोलकालीन वास्तुकला

1. पल्लवकालीन वास्तुकला का परिपक्व-चरण के रूप में सामने आया।
2. आयताकार गर्भगृह की स्थापना → पवित्र स्थान
3. विशालकाय शिखर → बृहदेश्वर मंदिर में 5000 टन वजनी पत्थर को स्थापित किया गया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

5. मोधी की अनुपस्थिति - जबकि नागरशैली में अनिवार्य

6. विशाल गोपुरम (E.g.) कांचीपुरम, धारापुरम्
↓
चोलकालीन समृद्धि को प्रदर्शित करता है।

6. जलाशय का निर्माण

7. सामाजिक गतिविधि का केंद्र
- विवाह
- बालमुंडन
- बाजार — व्यापार व शिक्षा से संबंधी
- सहभोज

8. साम्राज्यविजय के प्रतीक
- अनुराधापुर, श्रीलंका
- गंगैयकोण्ड चोल

इस प्रकार अद्भुत मंदिर निर्माण के संदर्भ में कहा गया कि, 'चोलकालीन स्थापत्यकार राक्षसों की तरह सोचते हैं और जौहरियों की तरह तराशते हैं।'

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. 19वीं सदी के अंत में जापान के बढ़ते साम्राज्यवाद के कारणों और परिणामों का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Examine the reasons and consequences of Japan's increasing imperialism towards the conclusion of the 19th century. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

19वीं सदी के प्रमुख साम्राज्यवादी शक्ति में जर्मनी, इटली और जापान का नाम उल्लेखनीय है।

जापान में बढ़ते साम्राज्यवाद का कारण

1. औद्योगिक क्रांति के दौर से गुजरता हुआ जापान। मेजी की नीति से जापान में औद्योगिक क्रांति प्रारंभ हुआ, जिससे जापान एक आर्थिक शक्ति बनी।

2. आर्थिक शक्ति व वृद्धिशील व्यापार वाणिज्य का सीधा प्रभाव 'सैनिक सुदृढ़ता' के रूप में सामने आया।

3. औपनिवेशिक देशों से प्रेरित तथा संसाधनों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

और बाज़ार की प्राप्ति की आकांक्षा से आक्रमण।

५. जापानी भाषा और शिक्षा → सांस्कृतिक श्रेष्ठता की भावना
↓
साम्राज्यवाद के लिए आवश्यक राष्ट्रवाद की शिक्षा

जापान के साम्राज्यवाद का प्रभाव

१. चीन व रूसी सेना से मुकाबला
→ चीन के मंचुरिया के मुद्दे पर और जापान विजयी हुआ।

२. द. पूर्व एशिया में विस्तार ∴ वियतनाम

३. विश्वयुद्ध (II) में भागीदारी
→ धुरी राष्ट्रों से संगठन
→ पर्ल हार्बर (USA) पर हमला
→ नागासाकी हमले से जवाबी कार्यवाही।

इस प्रकार साम्राज्यवाद का अंत नाभिकीय शक्ति से हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. फ्राँसीसी क्रांति की शुरुआत में योगदान देने वाले कारकों का परीक्षण कीजिये और इसके ऐतिहासिक महत्त्व का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

Examine the factors that contributed to the onset of the French Revolution and elaborate on its historical significance. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मध्यकालीन विशेषताओं से युक्त फ्रांस की संरचना से असंतुष्ट जनता ने क्रांति का मार्ग चुना और एक नयी व्यवस्था की स्थापना की जो पूरे विश्व के लिए प्रेरणा स्रोत बना।

फ्रांसीसी क्रांति में योगदान देने वाले कारक

1. राजनीतिक संरचना

A. निरंकुश राजवंशी संरचना से युक्त
- बूर्बो शासकों द्वारा प्रबोधनकालीन सुधार नहीं किये जाने से असंतोष।

B. प्रजातांत्रिक व्यवस्था (एस्टेट्स जनरल) लगभग 200 वर्षों से संचालित नहीं अतः अशांति बाहर निकलने का रास्ता नहीं

C. उच्च प्रशासनिक पदों पर जनभागीदारी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का अभाव, साथ ही सामंती ढांचे से युक्त।

2. सामाजिक संरचना

A. फ्रांसीसी समाज तीन इस्टेट में विभाजित था।

B. ऊपर के दो इस्टेट करमुक्त - विशेषाधिकार युक्त (पादरी, सामंत)

C. तीसरा इस्टेट → एकमात्र करदाता और अधिकार विहीन थे।

D. किसानों पर राज्य के आधार का दायित्व था, जबकि मध्यवर्ग समृद्ध थे किंतु सामाजिक सम्मान नहीं था।

3. आर्थिक रुग्णता

A. व्यय के आधार पर आय का निर्धारण किया जाता था।

B. आय के नए साधनों की तलाश नहीं की गयी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

c. बढ़ते व्यय का दबाव Immobestate पर पड़ा।
D. सप्तवर्षीय युद्ध-जनित बोझ
इस प्रकार बहुमुखी दबाव से त्रस्त फ्रांस, जब प्रबोधन के विचार से युक्त हुए, लोगों के स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व से प्रेरित होकर क्रांति का आवाहन किया और बास्तील के किले को ढहा दिया गया।

ऐतिहासिक महत्व

- स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व वैश्विक नारा बन गया।
- फ्रांस राष्ट्रवाद का अग्रदूत बना।
- यूरोप के विभिन्न देशों में क्रांतियाँ हुई।
- धर्मनिरपेक्ष राज्य का निर्माण हुआ।
- मानवाधिकारों की घोषणा की गयी।
- यूरोप में लोकतंत्र का प्रवेश हुआ।

इस प्रकार, फ्रांसीसी क्रांति अपने स्वरूप में विश्वव्यापी बन गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत परंपराओं में क्या भिन्नताएँ हैं और ये भिन्नताएँ किस प्रकार दोनों की प्रदर्शन शैलियों को प्रभावित करती हैं? (250 शब्द) 15

What are the key characteristics that differentiate Hindustani and Carnatic music traditions, and how do they influence the performance styles in each? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

www.drishtiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति ने विश्व की वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था को किस प्रकार प्रभावित किया? (250 शब्द) 15

How did the end of World War II impact the global political order of the world? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हिरोशिमा में नाभिकीय बमबारी के पश्चात आधिकारिक तौर पर WWII का अंत हुआ और इसमें मित्र राष्ट्रों की धुरी राष्ट्रों पर विजयी हुई।

विश्वयुद्ध की समाप्ति नें पुरे विश्व में शांति के साथ विभिन्न परिवर्तनों के तत्व को समाहित किया, जिसका एक आयाम राजनीतिक व्यवस्था था।

वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था पर प्रभाव

1. न्यूक्लियर/परमाणु बम जनित शांति की स्थापना के साथ ही विश्व में आत्मरक्षा के लिए परमाणु होड़ का प्रारंभ हुआ।

[उदा] रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए वैश्विक संगठन का निर्माण किया गया, UN के रूप में जिसमें सार्वभौमिक सदस्यता को स्वीकार किया गया।
 - जबकि WW1 के बाद बना 'लीग ऑफ नेशन' केवल विजयी राष्ट्रों का संगठन था।
 - अमेरिका के जुड़ने से महाशक्ति का vaccume नहीं रहा।

3. नियम आधारित विश्व के निर्माण में विभिन्न संस्थाओं की स्थापना की गयी
eg:- WTO, UNESCO, FAO

4. वैश्विक वर्चस्व प्रतिस्पर्धा का परिणाम शीत युद्ध के रूप में सामने आया।
वस्तुतः पश्चिमी व पूर्वी देशों में विचारधारा आधारित मतभेद व्याप्त था

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जो परमाणु बम के उजागर हो जाने से और अधिक आशंकित संबंध बन गया।

साथ ही, इन देशों द्वारा तृतीय विश्व के देशों को बफर बनाकर छद्म युद्ध जारी रखा गया।

जैसे → क्यूबा संकट
→ अफगानिस्तान Great Game

5. सर्वाधिक महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव विऔपनिवेशीकरण के रूप में सामने आया। दक्षिण एशिया, दक्षिणपूर्व एशिया से क्रमशः ब्रिटेन और हॉलैण्ड का उपनिवेश समाप्त हुआ।

6. जर्मनी में साम्यवाद-पूँजीवाद जनित दीवार की स्थापना की गयी।

इस प्रकार WW II की समाप्ति से विश्वपूर्ण शांति को प्राप्त नहीं कर पाया, किंतु वृहद् क्षेत्र में शांति और विकास की प्राप्ति हुई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

14. भारतीय उपमहाद्वीप के साहित्यिक और आध्यात्मिक परिदृश्य को आकार देने में रूमी, बुल्ले शाह और कबीर जैसे प्रमुख सूफी कवियों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Evaluate the role of prominent Sufi poets like Rumi, Bulleh Shah, and Kabir in shaping the literary and spiritual landscape of the subcontinent. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि… चाहिये।
(Candidate must … write on this ma…

मध्यकाल में मुस्लिम आक्रांताओं के साथ सूफी संतों का भी भारत में प्रवेश हुआ तथा सूफी-भक्ति आंदोलन के सम्मिलित प्रयासों से आध्यात्म व दर्शन को एक नई दिशा की प्राप्ति हुई।

इस शैली, संस्कृति का विस्तार भारतीय उपमहाद्वीप में हुआ, जिसने सांस्कृतिक एकता के लिए आधार तैयार किया।

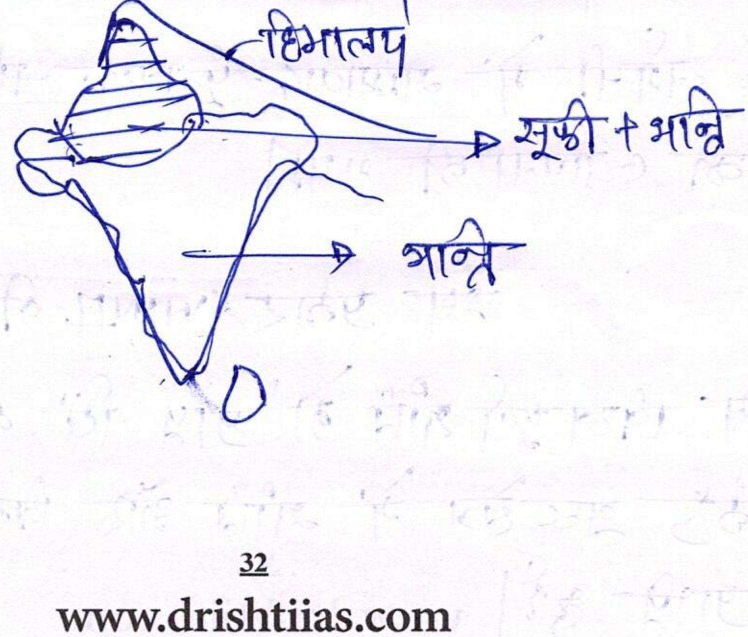

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सूफी भक्ति संतों का साहित्य और आध्यात्म में योगदान

1. दोनों के प्रभाव से साझी संस्कृति का विकास हुआ, जिसमें धार्मिक व धर्मनिरपेक्ष काव्यों की रचना की गयी।

2. साझी संस्कृति के प्रमुख संत थे –

कबीर, गुरुनानक, रूमी, बुल्लेशाह, दादू, अमीर खुसरो

3. साहित्य में मुख्यतः योगदान

- खड़ीबोली के विकास में
- नये छंद व दोहे
- छंद के बिना रचना
- उर्दू के विकास में – अमीर खुसरो

4. नैतिक उपदेशों से युक्त साहित्यिक रचना

जैसे "साईं इतना दीजिए, जामे कुटुंब समाय"

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इ... हाशिये में नहीं ... चाहिये।
(Candidate mu... write on this m...

5. आध्यात्म में सार्वभौमिक एकता का प्रदर्शन
→ कबीर द्वारा दोनों धर्मों के कर्मकांडों की आलोचना
→ गुरुग्रंथ साहिब में बाबा फरीद की वाणी
→ ~~रूमी~~ रूमी की पंक्तियों में एकेश्वरवाद

6. आदर्शपूर्ण आचरण व ~~साकार~~ निराकार ईश्वर की कल्पना की गयी।

इस प्रकार साझी संस्कृति के विरासत के अग्रदूत के रूप में कबीर, रूमी का नाम उल्लेखनीय है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. प्रारंभिक वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक महिलाओं की भूमिका और स्थिति कैसे विकसित हुई? (250 शब्द) 15

How did the role and status of women evolve from the early Vedic period to the later Vedic period? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रारंभिक वैदिक काल को ऋग्वैदिक समाज के रूप में भी संबोधित किया जाता है। लोहे के खोज और स्वामित्व की अवधारणा ने ना सिर्फ वैदिक मानव के आर्थिक स्वरूप को प्रभावित किया बल्कि इसका प्रभाव सामाजिक ढांचे, विशेषकर महिलाओं पर दिखाई पड़ता है।

महिलाओं की भूमिका और स्थिति में परिवर्तन

1. राजनीतिक संस्थाओं में भागीदारी

- ऋग्वैदिक समाज में महिलाएँ भी सभा, समिति, विदथ में भागीदार हो सकती थीं;
- किंतु उत्तर वैदिक काल में न सिर्फ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इन पदों की शक्ति कमजोर हुई जिससे महिलाओं की राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी न्यूनतम हो गया।

→ अतः अब नीतियाँ व सामाजिक विधान सभी हितधारकों के अनुरूप न होकर पितृसत्तात्मक रूप में बनने लगी।

2. उपनयन संस्कार –

– ऋग्वैदिक समाज में लोपामुद्रा, अपाला जैसे विदुषी होने का प्रमाण मिलता है;

– किंतु, उत्तरवैदिक काल में महिलाओं को शिक्षा से वंचित किया गया, या सिर्फ कला की शिक्षा दी गयी।

3. विवाह संस्था का परिवर्तन होना

– ऋग्वैदिक समाज कबीली परंपरा से युक्त था तथा सौम्य सामाजिक नियम थे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- उत्तरवैदिक समाज में "गोत्र बहिर्गमन" सिद्धांत आम्यगी हो गया।

- विधवा पुनर्विवाह बाधित हो गया।

- संपत्ति की अवधारणा से

बालविवाह प्रेरित हुआ | कन्या का उत्तराधिकार समाप्त हुआ

संपत्ति को बचाने के बजाये एकल विवाह प्रेरित हुआ।

५. पुत्री का जन्म पाप – ऐतरेय ब्राह्मण ग्रंथ
नारी, जुआ और सोम के समान – मैत्रायणी संहिता

इस प्रकार उत्तरवैदिक काल में महिलाओं की स्वतंत्रता बाधित हुई, उनका वस्तुकरण किया गया तथा सामाजिक दशा में गिरावट आयी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. सोवियत संघ के पतन के कारणों पर प्रकाश डालिये। साथ ही, चर्चा कीजिये कि इसने क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य को कैसे परिवर्तित किया। (250 शब्द) 15

Highlight the factors leading to the collapse of the Soviet Union. Also, discuss how it changed the political landscape of the region. (250 words) 15

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये। (Candidate mu... write on this m...)

विश्व इतिहास में 1990 का दशक महत्वपूर्ण परिवर्तनों से युक्त रहा, जिसमें सबसे बड़ी घटना सोवियत संघ के पतन के रूप में सामने आया।

सोवियत संघ के पतन का कारण

1. साम्यवादी आर्थिक संरचना

वस्तुतः साम्यवादी समानता स्थापित करने के लिए शोषणमूलक नीतियों का प्रयोग किया गया।

- निजी उद्योगों को हतोत्साहित करना
- आवश्यकता आधारित वेतन और क्षमता आधारित कार्य का सिद्धांत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- सार्वजनिक संस्थाओं का रुग्ण आर्थिक प्रदर्शन
- प्रशासनिक पदों पर तानाशाही

2. शीत युद्ध जनित कमजोरियाँ

A. सैन्यीकरण पर बल देने से राजकोषीय दबाव बढ़ा

B. अनुत्पाद क्षेत्रों पर अनावश्यक अत्यधिक व्यय किया गया eg. space war

C. तृतीय विश्व में प्रतिस्पर्धा तथा धन का व्यय

3. स्टालिन की दमनकारी नीति

A. - विरोधी विचारों का निर्मम दमन

4. गोर्बाच्येव की नीति → ग्लासनोस्त, पेरेस्त्रोयका, उस्कोरेनी

↓

आर्थिक व सामाजिक सुधार का प्रयास

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

किया गया किंतु यह असंतोष निकलने का मार्ग बना और सोवियत रूस का पतन हुआ।

राजनीतिक परिदृश्य पर प्रभाव

A. शीत युद्ध अनित प्रतिस्पर्धा की समाप्ति

B. एक ध्रुवीय विश्व की स्थापना – USA

C. साम्यवादी शासन प्रणाली से मोहभंग अतः पूंजीवाद के प्रति रुझान बढ़ा eg. 1991 के सुधार

D. तृतीय विश्व को प्राप्त होने वाले सहायता बाधित

E. NATO का प्रसार होते रहा किंतु WARSA का अंत।

F. SPACEWAR समाप्त हुआ।

G. रूस की पश्चिमी देशों से नजदीकी बढ़ी G7-G8 बनकर था।

इस प्रकार रूस अब प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा से अधिक आंतरिक समस्याओं की ओर केंद्रित हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. सिंधु घाटी सभ्यता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। वर्तमान संदर्भ के साथ इसकी स्पष्ट समानताओं को इंगित कीजिये। (250 शब्द) 15

Highlight the distinctive features of the Indus Valley Civilization. Point out the similarities in the present context. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आज से 4000 वर्ष पूर्व सप्तसैंधव क्षेत्र में एक शहरी सभ्यता का विकास हुआ, जिसे सिंधु घाटी सभ्यता के रूप में जाना जाता है।

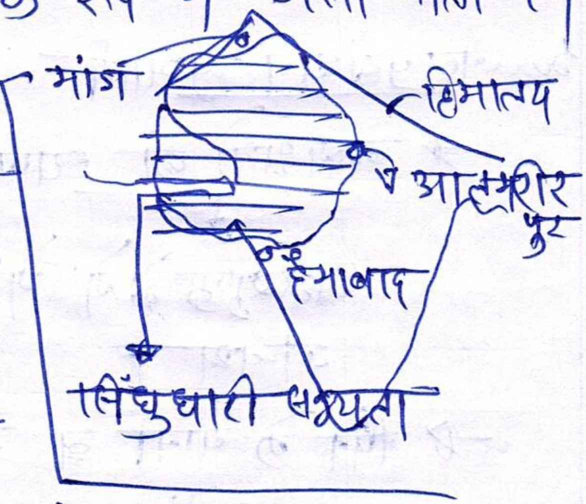

सिंधुघाटी सभ्यता की विशेषताएँ

1. कांस्ययुगीन सभ्यता

→ तांबे व टीन के प्रयोग से धातुकर्मविज्ञान की समझ को प्रदर्शित करते हुए कांस्ययुगीन सभ्यता का उदय हुआ।

उदा. नृत्यरत नारी की मूर्ति - कांस्यनिर्मित

2. शहरी सभ्यता

→ विकसित शहरों, जैसे मोहनजोदड़ो, लोथल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आदि से शहरों के साक्ष्य।

→ ग्रिड पैटर्न पर सड़कों का कटना

→ घरों का निर्माण - पक्की ईंटों के प्रयोग से

→ lay-out आधारित शहरों का नक्शा

→ शहरों की किलेबंदी → पश्चिमी क्षेत्र

3. जलप्रबंधन प्रणाली

→ जलाशयों की स्थापना [धौलावीरा - 16 जलाशय]

अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल संचय

→ पीने के पानी व नालियों का अलग-अलग निर्माण।

→ नालियों का भूमिगत ढंग से इकट्ठा होना।

4. व्यापार वाणिज्य का विकसित रूप

→ आंतरिक व्यापार → रोजाना वस्तुओं, कच्चे माल का

→ बाह्य व्यापार → समुद्री मार्ग → लोथल
→ स्थल मार्ग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

D. लिपि से युक्त सभ्यता → Pictography

वर्तमान संदर्भ में समानताएँ

A. बहुदेववाद की प्रचलन निरंतरता में
त्रिशेषवर प्रकृति का दैवीकरण आज भी
हड़प्पा → मातृदेवी वर्तमान - देवपूजा

B. घरों की आकृति में समानता
आंगन युक्त, खुले घरों की स्थापना

C. दार्शनिक निरंतरता → योग का प्रचलन
हड़प्पा से भी प्राप्त

D. वर्तमान शिव व पशुपति की समानता

E. अंधविश्वास, कर्मकांड के साक्ष्य चढ़ावों से
प्राप्त, आज भी विद्यमान।

इस प्रकार यह सत्य ही कहा गया
कि "यूनान, मिस्र, रोम सब मिट गये जहाँ अब
तक मगर है बाकी नामोनिशां हमारा।"

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. विश्वभर में उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलनों और राष्ट्रीय मुक्ति संघर्षों पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Analyze the influence of the Russian Revolution on anti-colonial movements and national liberation struggles across the globe. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रूस की क्रांति में साम्राज्यवाद के अंत की घोषणा की गयी तथा साम्यवाद और पूंजीवाद को सहगामिनी बताते हुए शोषण का उपकरण बताया गया।

अतः साम्यवादी विचारधारा में औपनिवेशिक मुक्ति के बीज दिखाई देते हैं।

उपनिवेशवादविरोधी आंदोलन में रूसी क्रांति का प्रभाव

1. रूसी क्रांति में व्यक्ति की समानता, समान अधिकार की बात कही गयी, अतः नस्लीय श्रेष्ठता पर आधारित उपनिवेश की संरचना पर प्रहार हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

२. रूसी क्रांति में शोषण के विरुद्ध एकता पर बल दिया गया, अतः औपनिवेशिक शोषण के चेहरे का उजागर हुआ।

इसी क्रम में विभिन्न देशों में साम्यवादी दलों की स्थापना हुई Eg. CPM India

४. रूसी क्रांति की सफलता ने 'स्वशासन' के महत्व को उद्घाटित किया, अतः उपनिवेशों में स्वराज के नारे लगे तथा डोमिनियन स्टेटस की मांग की गयी।

५. रूसी सरकार की सहायता → विभिन्न औपनिवेशिक देशों में सत्ता हस्तांतरण को लेकर रूसी सरकार का प्रत्यक्ष योगदान देखा गया।

६. रूसी क्रांति से यूरोपीय अपराजेयता का भ्रम खंडित हुआ अतः क्रांतिकारियों का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आत्मविश्वास बढ़ा और प्रत्यक्ष संघर्ष के माध्यम से स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रयास किये गये।

9. साम्यवादी राष्ट्रवाद की भावना संचारित हुई।

10. साम्यवाद के प्रसार के भय से औपनिवेशिक शक्तियों द्वारा सुधारवादी कदम उठाये गये, अतः अटलांटिक घोषणा के माध्यम से विऔपनिवेशीकरण का प्रस्ताव रखा गया।

इस प्रकार रूसी क्रांति ने समानता, एकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देकर स्वतंत्रता संग्राम में प्रेरणा का कार्य किया तथा स्थानीय नेताओं के प्रयास से स्वतंत्रता की प्राप्ति हुई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार क
हाशिये में न
चाहिये।
(Candidate
write on thi

19. मुगलकालीन चित्रकला ने किस प्रकार भारतीय कला की समृद्ध चित्रयवनिका (टेपेस्ट्री) में योगदान दिया? इसकी विशिष्टताएँ क्या थीं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

How did the Mughal school of painting contribute to the rich tapestry of Indian art? What were its distinctive features? Elaborate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जब मुगल साम्राज्य में स्थायित्व के गुण आये तब शासकों रुझान कला के विकास की ओर बढ़ा।

इसका प्रारंभ अकबर के काल से देखा जा सकता है, जिससे विभिन्न कला स्वरूपों का विकास हुआ, जिसमें चित्रकारी प्रमुख है।

मुगल चित्रकला से भारतीय चित्रयवनिका की समृद्धि

1. मुगल चित्रकला एक संश्लेषित चित्रकारी के रूप में

↓ विभिन्न शैलियों का प्रभाव

- फारसी शैली
- राजपूत शैली
- यूरोपीय शैली
- क्षेत्रीय शैलियां

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. राजपूत शैली से → गहरे लाल-नीले रंगों के प्रयोग
→ मोटे गोलदार ब्रश का प्रयोग
↓
micro painting

3. फारसी चित्रकारी से → दरबारी चित्रांकन
Ex. जहाँगीर का दरबार
→ युद्ध व शिकार करते हुए चित्रकारी
↓
हाशिये की चित्रकारी (frame में कलाकारी)

4. यूरोपीय शैली का प्रभाव
↓ Portrait चित्रांकन
↓ तुलनात्मक आकार का चित्रांकन
↓ मरियम-ईसा का चित्र

5. चित्रशाला की स्थापना
→ सामूहिक चित्रकारी का कार्य

मुगलकालीन चित्रकला की विशेषताएँ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

A. चित्रकला एक सांगठनिक प्रयास के रूप में दिखता है

अबुल फज़ल ने चित्रशाला की अपार्थीति का प्रमाण अकबरनामा में दिया।

B. विविध ~~चित्रशैलियाँ~~ चित्रशैलियाँ

- पैटर्न चित्रकला
- ~~कुल~~ लघुचित्रकारी

C. चित्रकारों की नियुक्ति व सरकारी वेतन
- ~~व~~ मंसूर

D. शासक द्वारा स्वयं चित्रकारी – जहाँगीर

इस प्रकार मुगल चित्रकारी विभिन्न विशिष्टताओं को समाहित कर भारतीय विरासत को समृद्ध बनाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. शीत युद्ध संघर्ष को आकार देने में संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक मतभेदों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Evaluate the role of ideological differences between the United States and the Soviet Union in shaping the Cold War conflict. (250 words) 15

उम्मीदवार हाशिये में चाहिये। (Candidate write on th

द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के पश्चात उपजे गहरे अविश्वास का परिणाम शीत युद्ध के रूप में सामने आया।

जवाहर लाल नेहरू ने इसे विलंबित मृत्युदंड के समान बताया है।

शीत युद्ध एक ऐसी स्थिति है, जहाँ दो विरोधी शक्तियाँ, दो विचारधाराएं, दो गुट और दो प्रकार की अर्थव्यवस्था ऐसी प्रतिस्पर्धा में संलग्न होते हैं, (जिसका परिणाम कभी भी विश्वयुद्ध के रूप में सामने आ सकता है)

शीत युद्ध में USA और सोवियत संघ के वैचारिक मतभेद की भूमिका

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. 1917 में रूसी क्रांति के माध्यम से साम्यवादी सरकार की स्थापना हुई।

यह क्रांति पूँजीवादी बुर्जुआ वर्ग के शोषण के विरुद्ध मार्क्स के विचारों से आया था। अतः यह प्रकृति से पूंजीवाद विरोधी विचार था।

जबकि, अमेरिका की स्थापना व स्वतंत्रता का आधार ही मुक्त व्यापार की नीति और आर्थिक स्वछंदता पर आधारित पूंजीवाद थी।

इस प्रकार दोनों वैचारिक आधार पर प्रतिद्वंदी था।

2. अविश्वास के अन्य कारण

1. फुल्टन भाषण के दौरान अमेरीकी राष्ट्रपति द्वारा तानाशाह के सभी रूपों के अंत की घोषणा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार हाशिये में चाहिये। (Candidat write on t

B. क्यूबा संकट से रूस और USA प्रत्यक्ष रूप सामने आये।

C. पूर्वी यूरोप पर अतिक्रमण और बर्लिन की दीवार, ऐसे मुद्दे थे, जिनसे विरोध बढ़ा।

D. NATO बनाम WARSA की स्पर्धा

E. अमेरिकी जहाज (U2) द्वारा जासूसी और अमेरिका द्वारा खेद व्यक्त नहीं करना।

F. परमाणु बम का रहस्य, अतः सुरक्षा संकट।

इस प्रकार, तात्कालिक घटनाक्रम वैचारिक मतभेद को और बढ़ा रहे थे किंतु गोर्बाचेव की सुधारवादी नीतियों के परिणामस्वरूप सोवियत के पतन से शीत युद्ध समाप्त हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Copyright – Drishti The Vision Foundation